बिहार विधान–सभा वादवृत्त

वृहस्पतिवार तिथि 28 जून, 1990 ई०

(भाग–1 कार्यवाही प्रश्नोंत्तर)

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान–सभा का कार्य–विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में वृहस्पतिवार तिथि 28 जून, 1990 ई० को पूर्वाहन 11.00 बजे सभापति, श्री गुलाम सरवर के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

चन्द्रशेखर शर्मा,
'सचिव,
बिहार विधान–सभा

पटना
तिथि 28 जून, 1990 ई०

---

(2) क्या यह बात सही है कि पिछले 1977 से आयरन रिमुवर प्लान्ट बिठाकर पानी को पीने लायक बनने का प्रयास किया जा रहा है, किन्तु सफलता आज तक नहीं मिली है ।

(2) लौह निष्कासन संयंत्र द्वारा वर्ष 1978-79 से 1984-85 तक जलापूर्त्ति की गई परन्तु लौह निष्कासन संयंत्र खराब हो जाने के कारण विशेष मरम्मति के अभाव में बन्द है। विशेष मरम्मति का प्राक्कलन अधीक्षण अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रणा अंचल, पूर्णियां के पत्रांक-554 दिनांक 15-6-90 द्वारा दिनांक 19-6-90 को प्राप्त हुई है, जिसकी जाँच संबंधी अग्रतर कार्रवाई की जा रही है ।

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार पेयजल की व्यवस्था का निदान करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, और नहीं तो क्यों ??

(3) प्राक्कलन की तकनीकी स्वीकृति एवं नगर विकास विभाग से निधि उपलब्ध होने पर लौह निष्कासन यंत्र को विशेष मरम्मति कराने की कार्रवाई की जायेगी ।

जलापूर्त्ति करवाना

215. श्री बाबू लाल : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रणा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

श्री रघुनाथ झा :

(1) क्या यह बात सही है कि नवादा जिलान्तर्गत रजौली, सिरदला एवं अकबरपुर में संकटकालीन जलापूर्त्ति योजना की स्थापना 1967 में हुई थी;

(1) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(2) क्या यह बात सही है कि तीन प्रखण्डों में जलापूर्त्ति बिल्कुल ठप है, जिससे आम आदमियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है;

(2) उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

1967 की पाईप योजनाओं के रजौली एवं सिरदला को जलापूर्त्ति दी जाती है। इन योजनाओं को मानकीकरण करने का प्राक्कलन स्वीकृत किया गया है और उसके अनुसार कार्य भी कराया जा रहा है । मानकीकरण की योजनाएँ पूरी हो जाने पर जलापूर्त्ति में वृद्धि हो जायेगी। पाईप योजना के अतिरिक्त चापाकलों से भी उन जगहों पर पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है । केवल अकबरपुर में नलकूप असफल हो गया है, अतः वहां फिलहाल 26 अदद चापाकल से पेयजल मुहैया कराया जा रहा है ।

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार शीघ्र तीनों प्रखण्डों में जलापूर्त्ति करवाने का विचार रखती है यदि हाँ तो कबतक, और नहीं तो क्यों ?

(3) उत्तर खण्ड-1 एवं 2 के आलोक में सिरदला एवं रजौली की स्थिति स्पष्ट कर दी गई है और अकबरपुर में नये चापाकल गाड़ने हेतु कार्रवाई की जा रही है ।

पानी टंकी का निर्माण

217. श्री राम विनोद पासवान : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रणा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे-

श्री रघुनाथ झा :

(1) क्या यह बात सही है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत बखरी बाजार में पानी टंकी निर्माण कार्य वर्ष-1980 से ही अधूरा है;

(1) आंशिक स्वीकारात्मक है। बखरी ग्रामीण पाईप जलापूर्त्ति योजना की स्वीकृति 20-8-80 को प्रदान की गई थी । इस योजना में पाईप कनेक्शन के सीमिति अंश को छोड़कर सभी कार्य पूर्ण कर लिया गया है । टेस्टिंग की गई थी । टेस्टिंग के दौरान लीकेज पाया गया जिससे मरम्मति करने के लिए 21-5-90 को विभागीय बैठक में अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता को निदेशित किया गया है ।